through a plan which would provide the required qualified personnel, infrastructural facilities, optimisation of available resources through reorientation of functions between offices, computerisation of procedures and elimination of backlog of patent applications.

Casual workers in IIL, Bokaro

4327. SHRI C.O. POULOSE:
SHRI JIBON ROY:

Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) whether the Instrumentation India Limited has engaged casual workers in its Bokaro Projects;

(b) if so, the number of casual workers working during 1997-98;

(c) since when the workers have been engaged as casual and the reasons therefor; and

(d) by when these workers are likely to be regularised?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRI SUKHBIR SINGH BADAL): (a) to (b) Instrumentation Limited had 118 temporary workes in 1997-98 at Bokaro. Yearwise details of their appointment are as follows:

Financial Year	No. of workers
1969-70	1
1970-71	4
1971-72	41
1972-73	10
1973-74	13
1974-75	21
1975-76	28
TOTAL	118

These temporary workers were engaged to assist the regular employees in execution of the various contracts of erection and commissioning of instrumentation systems at Bokaro Steel city. There are no plans to regularise the temporary employees as IL is a sick company with surplus manpower which is being reduced through voluntary retirement scheme.

लघु क्षेत्र के उद्योगों के संबंध में स्थिति पत्र (स्टेटस पेपर)

4328. श्री बरजिन्दर सिंह:
श्री सुखदेव सिंह ढिंडसा:

क्या उद्योग मंत्री क्या यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने देश में कार्य कर रहे लघु क्षेत्र के औद्योगिक एककों के संबंध में एक स्थिति पत्र तैयार करने का निर्णय लिया है;

(ख) यदि हां, तो यह निर्णय लिये जाने के पीछे क्या कारण है; और

(ग) उक्त दस्तावेज को कब तक तैयार तथा प्रकाशित किये जाने की योजना है?

उद्योग मंत्री (श्री सिकन्दर बख्त): (क) से (ग) उद्योग मंत्रालय की वार्षिक रिपोर्ट, जो प्रतिवर्ष छापी जाती है और संसद के समक्ष रखी जाती है, में अन्य बातों के साथ-साथ लघु औद्योगिक क्षेत्र से संबंधित गतिविधियों की स्थिति के बारे में भी सूचना होती है। इसके अलावा, इस मंत्रालय का लघु उद्योग क्षेत्र के संबंध में अन्य कोई स्थिति-पत्र (स्टेटस-पेपर) प्रस्तुत करने का इस समय कोई प्रस्ताव नहीं है।

देश में औद्योगिक संस्थान

4329. श्री बलवन्त सिंह रामूवालिया:
श्री राज मोहिन्दर सिंह:

क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि वर्तमान में देश में 242 औद्योगिक संस्थान सरकारी क्षेत्र के अन्तर्गत चल रहे हैं;

(ख) यदि नहीं, तो इनकी संख्या कितनी है;

(ग) क्या यह भी सच है कि इनमें से 101 संस्थान घाटे में चल रहे हैं;

(घ) यदि नहीं, तो इनकी संख्या कितनी है; और

(ङ) उन संस्थानों की पृथक-पृथक संख्या कितनी है, जो बहुत कम लाभ कमा रहे हैं अथवा पूंजी निवेश के औसतन पांच प्रतिशत तक लाभ कमा रहे हैं?

उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सुखबीर सिंह बादल): (क) और (ख) जी, हां। 31.3.1997 तक केन्द्रीय सरकारी क्षेत्र के अन्तर्गत 242 उपक्रम थे।

(ग) और (घ) वर्ष 1996-97 के दौरान घाटा उठाने वाले उपक्रमों की संख्या 104 थी।